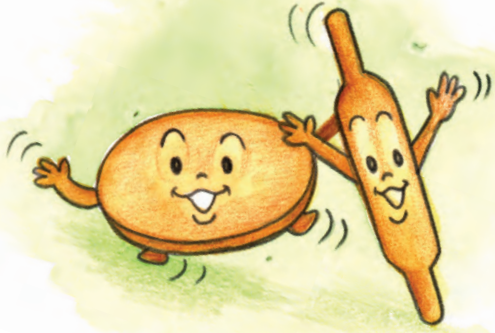


बच्चों से बातचीत करें- रसोईघर में कौन क्या कर रहा है? टोकरी में कौन-सी सब्जियाँ रखी हैं? तुम अपनी माँ के साथ रसोई में क्या-क्या काम करवाते हो?



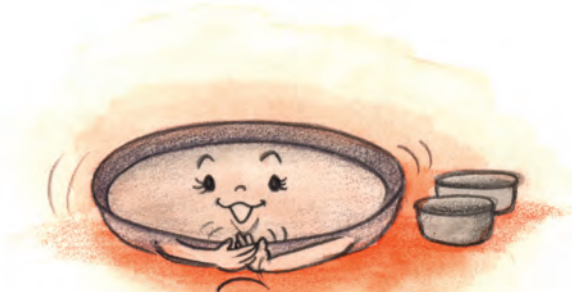
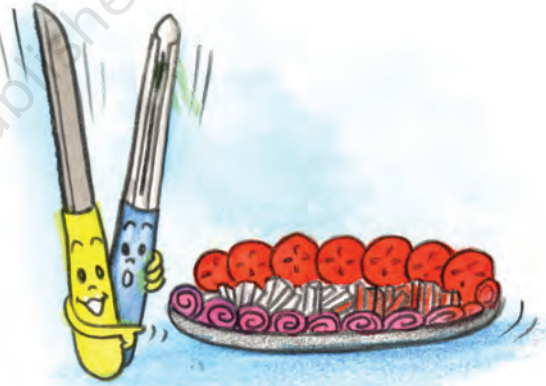
0117CH07

## 7. रसोईघर



आज रसोईघर की खिड़की,  
मुन्ना-मुन्नी खोल रहे हैं।  
अंदर देखा, चकला-बेलन,  
चाकू-छलनी बोल रहे हैं।

मैं चाकू, सब्जी-फल काटूँ,  
टुकड़ा-टुकड़ा सबको बाँटूँ।  
गाजर-मूली प्याज़-टमाटर,  
छीलो काटो रखो सजाकर।



गोल चाँद-सी हूँ मैं थाली,  
बज सकती हूँ बनकर ताली।  
मुझमें रोटी-सब्जी डाली,  
और सभी ने झटपट खा ली।



# कुछ और काम



घ

थ

च

ज

ओ

मैं चाकू हूँ।

मैं सब्ज़ी ..... ।



हम ..... हैं।

हम ..... बेलते हैं।

मैं ..... हूँ।

मैं ..... छानती हूँ।



मैं ..... हूँ।

मुझमें ..... खाओ।

मैं छीलनी हूँ।

मुझसे छिलका ..... ।





## सही-गलत

सुड़प सुड़प



रसोईघर का चित्र देखो और बताओ।

1. पतीला चूल्हे के नीचे है।
2. चूहा अँगीठी के अंदर है।
3. टोकरी में आम रखे हैं।
4. अक्षय चावल बीन रहा है।
5. माँ खाना बना रही हैं।
6. आले में लालटेन रखी है।
7. दादी किताब पढ़ रही हैं।
8. सुहानी खिड़की से झाँक रही है।

X





## काम ही काम

यहाँ क्या काम हो रहा है? गोला लगाओ

सेंकना

बेलना

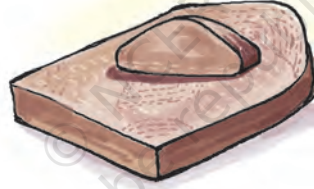
तलना

किनसे काटोगे?

चाकू



सिलबट्टा



छीलनी



पहँसुल



दाव



कैंची



हथौड़ा



गुलेल



ढक्कन

- पहँसुल का उपयोग पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल आदि पूर्व के कई राज्यों में सब्जी काटने के लिए किया जाता है।
- दाव का इस्तेमाल उत्तर-पूर्व के राज्यों में बाँस, सब्जी आदि काटने के लिए किया जाता है।

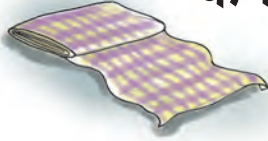


# किससे क्या काटोगे?

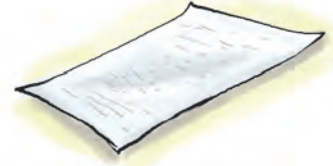


ब

कपड़ा



कागज़



आम



बैंगन



रस्सी



सेब



गन्ना



कैंची से

चाकू से

कैंची से	चाकू से



बिंदु जोड़कर चित्र पूरा करो।



शाबाश! अब चित्र में  
कोई रंग भरो।







0117CH08

## 8. चूहो! म्याऊँ सो रही है

घर के पीछे,  
छत के नीचे,  
पाँव पसारे,  
पूँछ सँवारे।

देखो कोई,  
मौसी सोई,  
नासों में से,  
साँसों में से।

घर घर घर घर हो रही है  
चूहो! म्याऊँ सो रही है।

बिल्ली सोई,  
खुली रसोई,  
भरे पतीले,  
चने रसीले।



उलटो मटका,  
देकर झटका,  
जो कुछ पाओ,  
चट कर जाओ।

आज हमारा दूध दही है,  
चूहो! म्याऊँ सो रही है।

मूँछ मरोड़ो,  
पूँछ सिकोड़ो,  
नीचे उतरो,  
चीज़ें कुतरो।

आज हमारा,  
राज हमारा,  
करो तबाही,  
जो मनचाही।

आज मची है,  
चूहा शाही,  
डर कुछ भी चूहों को नहीं है,  
चूहो! म्याऊँ सो रही है।



पढ़ो



घर के पीछे,  
छत के नीचे



पाँव पसारें,  
पूँछ सँवारे



भरे पतीले,  
चने रसीले



उलटा मटका,  
देकर झटका



मूँछ मरोड़ो,  
पूँछ सिकोड़ो



नीचे उतरो,  
चीजें कुतरो

चलो, चूहा बनाएँ

तीन लिखो

3

मूँछ कान बनाओ

3

आँखें और  
पैर बनाओ



पूँछ बनाओ



अहा!  
चूहा

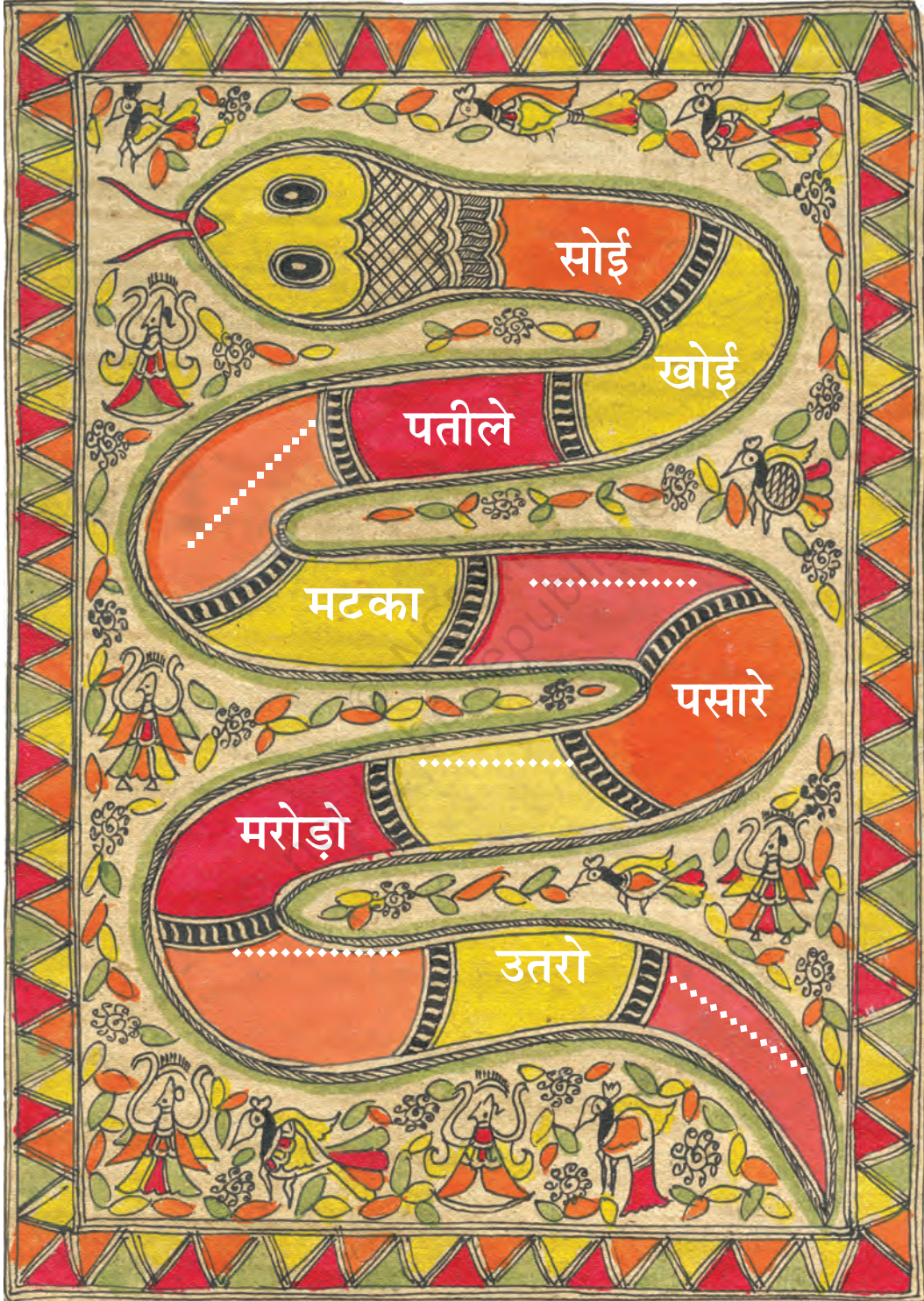




तुक मिलाओ, आगे बढ़ाओ

द

उ



यह चित्र बिहार की मधुबनी शैली में बना है। इस चित्र की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ।